फा.सं.–के.सं.वि./पा.प्रा./06/2022–23/

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)

शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन

56–57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली – 110 058

दिनांक–29.08.2022

(पालि–प्राकृत योजना)

विज्ञप्ति

भारत सरकार की केन्द्रीय योजनाओं के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (के.सं.वि.), दिल्ली द्वारा पालि–प्राकृत भाषा एवं साहित्य को जनसामान्य तक पहुंचाने हेतु 2009 से विविध गतिविधियां एवं कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। भारत एवं विदेशों में प्रायः अधिकांश प्रदेशों में पालि–प्राकृत साहित्य उपलब्ध होता है तथा बहुत से विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, शोध संस्थाएँ इत्यादि इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं किन्तु भारत सरकार के पास इन सबकी विवरणात्मक जानकारी (Data-based Information) उपलब्ध नहीं है। अतः केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सर्वेक्षण के माध्यम से यह विवरणात्मक जानकारी एकत्रित करने का प्रयास कर रहा है। जिससे कि पालि–प्राकृत भाषाओं से सम्बन्धित सभी योजनाओं को प्रत्येक संस्था एवं प्रत्येक छात्र तक पहुंचाया जा सके।

तदनुसार पालि–प्राकृत भाषा एवं विषय विशेषज्ञ विद्वानों एवं संस्था प्रधानों से निवेदन है कि पालि–प्राकृत के लिये उनके द्वारा किये गये कार्यकलापों, यथा–विद्यालयों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के स्तर पर अध्ययन–अध्यापन, शोधानुसंधान का संचालन, साहित्य का प्रकाशन, संगोष्ठी–सम्मेलन, विस्तार व्याख्यान, पालि–प्राकृत पाठ्यक्रमों का संचालन, छात्रवृत्ति आदि सहायता देकर प्रोत्साहन करने इत्यादि का विवरण निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध प्रपत्र में भरकर इस मेल (csuprakrit2020@gmail.com) पर प्रेषित करने का कष्ट करें।

साथ ही पालि एवं प्राकृत भाषा के विद्वानों का विवरण भी हू–इज़–हू (who-is-who) के माध्यम से एकत्रित किया जा रहा है। अतः सभी पालि–प्राकृत भाषा के विद्वानों से निवेदन है कि निम्नलिखित लिंक के माध्यम से अपना परिचय प्रदान करें। आपका यह सहयोग पालि–प्राकृत वाङ्मय एवं भाषा के विकास के लिये भारत सरकार द्वारा संचालित विविध योजनाओं को क्रियान्वित करने में उपयोगी होगा। साथ ही समस्त देश में व्याप्त पालि–प्राकृत विषय के विद्वानों एवं संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

विवरण की लिंकः– https://drive.google.com/file/d/1s1CJufL4ErnuWhe3RPS4Tmi6tg75fjWW/view?usp=sharing

सम्पर्क सूत्र (प्राकृत)–1) प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई, समन्वयक, के.सं.वि., जयपुर परिसर, जयपुर (9057506919)
2) डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन, विकास–अधिकारी, के.सं.वि., दिल्ली, (7976911648)

सम्पर्क सूत्र (पालि)– 1. डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी, समन्वयक, के.सं.वि., लखनऊ, लखनऊ (9140498822)
2. डॉ. जयवंत खण्डारे, विकास अधिकारी, के.सं.वि., दिल्ली, (8081414977)

आपके द्वारा प्रदत्त विवरण केवल पालि–प्राकृत योजना से सम्बन्धित कार्य के सम्पादन एवं पालि–प्राकृत भाषाओं के विकास मात्र के लिए ही उपयोग किया जायेगा। यदि आपके द्वारा प्रेषित विवरण गोपनीय है, तो कृपया इसका उल्लेख करें। जिससे कि विवरण को गोपनीय रखा जा सके।

निदेशक (केन्द्रीय योजनाएँ)